वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 204 | शुक्रवार 21 नवम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

बिहार की सीएम कुर्सी पर नीतीश का 10वीं बार तीर

बिहार विधानसभा चुनाव में 202 सीटें लाने वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए गुरुवार का दिन ऐतिहासिक रहा। गांधी मैदान में नीतीश कुमार ने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा फिर से उपमुख्यमंत्री बनाए गए। मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कई केंद्रीय मंत्रियों समेत एनडीए के सभी घटकों के प्रमुखों, एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और बड़े नेता मौजूद रहे।

भाजपा के 14, जदयू के 8, चिराग के 2 मंत्री और एक मुस्लिम चेहरे सहित कुल 26 मंत्रियों ने शपथ ली

शपथ के बाद पीएम मोदी ने मंच से गमछा हिलाकर लोगों का अभिवादन किया

पटना

नीतीश कुमार ने 10वीं बार बिहार में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गांधी मैदान में गुरुवार को हुए भव्य समारोह मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई बड़े भाजपा नेता मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने शपथ ली। वहीं 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली। जिनमें 14 भाजपा कोटे से, 8 जदयू से, 2 लोजपा से जबकि हम और कुशवाहा की पार्टी से 1-1 को मंत्री बनाया गया है। इस मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम चेहरा भी शामिल है। जदयू ने जमा खान को फिर मंत्री बनाया है। शपथ के बाद पीएम मोदी ने मंच से गमछा हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। हरियाणा, असम, गुजरात, मेघालय, यूपी, नगालैंड, ओडिशा, दिल्ली, एमपी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भी शपथ समारोह में शामिल हुए। मंच पर चिराग पासवान ने मांझी और जेपी नड्डा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। नीतीश कैबिनेट में इस बार नए चेहरों को मौका दिया गया है। रामकृपाल यादव, श्रेयसी सिंह को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। चिराग की पार्टी से 2 विधायकों को मंत्री बनाया गया

है। इसमें संजय सिंह भी शामिल हैं। संजय सिंह महुआ से चुनाव जीते हैं। उन्होंने लालू यादव के बेटे तेजप्रताप को हराया था।

भाजपा के 13, जदयू के 6 पूर्व मंत्रियों को नहीं मिला मौका

नए मंत्रिमंडल में भाजपा के 13 और जदयू के छह मंत्रियों को फिर से मौका नहीं दिया गया। भाजपा की ओर से पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी के साथ नीरज कुमार सिंह, नीतीश मिश्रा, महेश्वर हजारी, जनक राम, हरि सहनी, केदार गुप्ता, संजय सरावगी, जिवेश मिश्रा, राजू सिंह, मोतीलाल प्रसाद, कृष्ण कुमार मंटू के नाम शामिल हैं। गया से नौवीं बार जीते प्रेम कुमार भी मंत्री नहीं बनाए गए हैं। हालांकि, उन्हें विधानसभा अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा है। वहीं जदयू की ओर से शीला कुमारी, कृष्णनंदन पासवान, जयंत राज, रत्नेश सदा, संतोष सिंह और विजय मंडल का पत्ता कटा है। सुमित कुमार सिंह चकाई से चुनाव हारने के कारण मंत्री की रेस से पहले ही बाहर हो गए थे।

मोदी ने नीतीश, सम्राट और सिन्हा को बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनता दलयू के प्रमुख नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने और भाजपा नेताओं सम्राट चौधरी तथा विजय सिन्हा को उप मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी है। प्रधामंत्री ने नीतीश मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ लेने वाले नेताओं को भी बधाई दी है। मोदी ने केन्द्र के अनेक मंत्रियों के साथ गुरुवार को पटना के गांधी मैदान में नीतीश कुमार तथा अन्य नेताओं के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। बाद में मोदी ने सोशल मीडिया पर सिलसिलेवार पोस्ट में सभी नेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बहुत-बहुत बधाई। वे एक कुशल और अनुभवी प्रशासक हैं। राज्य में सुशासन का उनका शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। नए कार्यकाल के लिए उन्हें मेरी हार्दिक शुभकामनाएं! एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा को बिहार के डिप्टी चीफ मिनिस्टर बनने पर बधाई। दोनों नेताओं ने लोगों की सेवा करने के लिए जमीनी स्तर पर बहुत काम किया है। उन्हें शुभकामनाएं। एक अलग पोस्ट में मोदी ने कहा, बिहार सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने वाले सभी लोगों को मेरी शुभकामनाएं। यह एक शानदार टीम है, जिसमें समर्पित नेता हैं जो बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

सागर सिंरौजा में पंचकल्याणक के पंचम दिवस शांतिनाथ धाम में प्राण प्रतिष्ठा में

देश, धर्म का विकास चाहिए तो योग्यता अनुसार पद प्रतिष्ठा करो -विशुद्ध सागर जी महाराज

सागर/ (भरत सेठ घुवारा)

सागर सिंरौजा में आयोजित श्री मज्जिनेन्द पंचकल्याणक श्री शांतिनाथ जिन बिम्ब प्रतिष्ठा में पंचम दिवस राष्ट्र संत, गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महा मुनिराज के पट्टाचार्य चर्या शिरोमणि श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में प्रतिष्ठेय प्रतिमाओं का प्राण प्रतिष्ठा के संस्कार आरोपित किए गये। आयोजक -श्री सुरेंद्र कुमार संतोष कुमार जी घड़ी परिवार द्वारा इ ळ कफळ प्रांगण में निर्मित शांतिनाथ धाम में नवीन जिनालय में जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर शांति नाथ विराजित करने का सौभाग्य प्राप्त किया है। शुभ संकल्प - घड़ी परिवार ने इस महानुष्ठान को बिना बोली, बिना राशि ग्रहण किए स्वयं के द्वारा सभी को संसाधन वस्त्राभूषण एवं वाहन, आवास से लेकर स्वादिष्ट भोजनादि की सभी निशुल्क बेहतर व्यवस्था कर आदर्श प्रस्तुत किया है। यह महा महोत्सव बुंदेलखंड के इतिहास में पहली बार एक ही परिवार के द्वारा वृहद स्तर पर आयोजन चल रहा है।आपने इस आयोजन में जो भी राशि प्राप्त होगी श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र द्रोणगिरी जी के आश्रम में निर्मित सहस्त्र कूट को समर्पित करने का संकल्प किया है। प्रतिष्ठाचार्य - इस महान

आयोजन में पाषाण से भगवान के संस्कारारोपण द्वारा गर्भ से निर्माण तक की अनुष्ठान विधि देश के ख्याति प्राप्त प्रतिष्ठा मार्तण्ड ब्रह्मचारी जयकुमार जी निशांत नवागढ़, प्रतिष्ठा रत्न पं सनत कुमार विनोद कुमार रजवास , पं मनीष जैन टीकमगढ़, पं अरविंद जी रुड़की संपादित कर रहे हैं।ब्रह्मचारी निशांत जी को 250 से अधिक प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव का दीर्घ अनुभव है आपके प्रतिष्ठाचार्यत्व में इस आयोजन को अभूतपूर्व सफलता एवं आदर्श प्राप्त हुआ है। इस आयोजन में 10 प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है। **प्राण प्रतिष्ठा - मंत्र,यंत्र एवं तंत्र की मांगलिक अनुष्ठान विधि से:** आज गर्भ जन्म एवं तप से संस्कारित प्रतिमाओं के आचार्य विशुद्ध सागर जी के वरद हस्तों से अधिवासना, नयनोन्मीलन , बोधि समाधि सूरिमंत्र, चंद्रकला मंत्र, सूर्य मंत्र द्वारा भगवत सन्ता का आरोपण करके प्राण प्रतिष्ठा की गई जिससे पाषाण प्रतिमाओं में शांतिनाथ के गुणों का गुणारोपण किया गया। पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने विशाल धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि योग्यता के अनुसार पद प्रदान करना चाहिए, योग्य व्यक्ति को ही योग्य- पद पर प्रतिष्ठित करना चाहिए। अयोग्य व्यक्ति यदि पद पर आसीन हो जाएगा, तो अनर्थ हो जाएगा। योग्य व्यक्ति को ही योग्य जिम्मेदारी प्रदान करना चाहिए। योग्य व्यक्ति को ही डॉक्टर, वाहन चालक, शिक्षक, शासक, मंत्री व साधु होना चाहिए। जाति के अनुसार पद नहीं होना चाहिए। देश , धर्म का विकास चाहिए तो योग्यता अनुसार पद - प्रतिष्ठा करो। योग्य कुशल व्यक्ति को ही श्रेष्ठ- पद स्वीकार करना चाहिए। आचार्य भगवन ने आगे बताया कि बेरी कौन - अन्य कोई किसी का शत्रु नहीं होता है। उधम हीन ही स्वयं का शत्रु होता है जो समय पर कार्य नहीं करता है, जो अनुशासन हीन है, क्रोधी है, कषायी है, हिंसक है, वह स्वयं- ही सेम का शत्रु (बेरी) है। विद्यार्थी समय पर अध्ययन नहीं करेग तो परिणाम क्या होगा। कृषक समय पर खेत में बीज नहीं बोएगा तो क्या फसल उगेगी। स्वयं ही स्वयं के शत्रु मत बनो, पुरुषार्थी बनो। चिंता करने वाला स्वयं ही स्वयं का शत्रु होता है। झूठ बोलने वाला स्वयं ही स्वयं का शत्रु है। मदुरापायी सप्त व्यसनी स्वयं ही स्वयं का शत्रु होता है।संकलन कर्ता कोडरमा मीडिया प्रभारी जैन राज कुमार अजमेरा।

भक्ति भाव से मनाएंगे जैन धर्म के 9 वें तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत नाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस

दिगम्बर जैन मंदिरों में होगें पूजा अर्चना के विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 9 वें तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत नाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव मंगसिर शुक्ला एकम् शुक्रवार, 21 नवम्बर को भक्ति भाव से मनाया जाएगा। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये जाएंगे।

राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि प्रातः भगवान पुष्पदंत नाथ के अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की जाएगी। तत्पश्चात भगवान पुष्पदंत नाथ की अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की जाएगी । पूजा के दौरान जन्म व तप कल्याणक श्लोक का सामूहिक उच्चारण करते हुए मंत्रोच्चार के साथ जन्म व तप कल्याणक अर्घ्य चढाया जायेगा ।महाआरती के बाद कार्यक्रम का समापन होगा। श्री जैन के मुताबिक नेहरु बाजार के रेडियो मार्केट स्थित श्री पुष्पदंत दिगम्बर जैन मंदिर जी छाबड़ा में प्रबन्धकारिणी समिति के मंत्री प्रद्युम्न पाटनी के नेतृत्व में प्रातः मूलनायक भगवान पुष्प दंत नाथ का जिनाभिषेक, शांतिधारा के बाद मंदिर जी के शिखर पर ध्वजा परिवर्तन की जाएगी। ध्वजा परिवर्तन का पुण्यार्जन समाज श्रेष्ठी प्रेम चन्द, शरद, प्रदीप हैदरी परिवार द्वारा किया जाएगा। श्री जैन के मुताबिक आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज,सांगानेर स्थित श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, सहित कई मंदिरों में जन्म व तप कल्याणक महोत्सव पर विशेष आयोजन होंगे।

विनोद जैन 'कोटखावदा': उपाध्यक्ष-राजस्थान जैन सभा जयपुर: 93142 78866

भाजपा के युवा नेता,
प्रमुख समाज सेवी, गो रक्षक, मृदुभाषी
श्री नवीन भंडारी
को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई
शुभेच्छु समस्त मित्रगण एवं परिवार जन

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विद्यासागर, इंदौर की धार्मिक यात्रा हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न

इंदौर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विद्यासागर, इंदौर के 19 सदस्यों की जबलपुर - बरगी जी की यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। विद्यासागर सोशल ग्रुप के अध्यक्ष सतीश जैन ने बताया कि सभी सदस्य इंदौर- जबलपुर एक्सप्रेस से जबलपुर पहुंचे। वहां से बस द्वारा पिसनहारी की मढिया तीर्थ पर पहुंचकर अभिषेक किया तत्पश्चात शांति धारा की प्रथम दोनों बोलियां लेकर दोनों तरफ से बहुत ही भक्ति भाव से प्रभुजी की शांति धारा की। वहां से बरगी में चल रहे पंचकल्याणक में सहभागिता की, फिर आचार्य श्री समय सागर जी महाराज ससंघ को इंदौर आने हेतु श्रीफल समर्पित किया।

गुरुदेव की मंद मंद मुस्कान से ऐसा प्रतीत हुआ कि आचार्य श्री ससंघ इंदौर अवश्य पधारेंगे व नए वर्ष में इंदौर में होने वाले पंचकल्याणक में संघ की गौरवमई उपस्थिति रहेगी। ग्रुप के कुछ श्रावक श्रेष्ठियों ने वहां मुनि महाराज जी को आहार दान भी दिया । बरगी में ही प्रातः भोजन किया व वापस मढिया जी आकर पहाड़ पर स्थित मंदिरों की वंदना की। रात्रि में प्रसिद्ध हनुमान ताल स्थित मंदिर पहुंचे , वहां विश्व की सबसे प्राचीन आदिनाथ भगवान की प्रतिमा के सम्मुख बैठकर भक्तामर जी का पाठ किया। पुरी यात्रा के संघपति थे , श्री अनिल - मीना जी रावत। संयोजक थे- संतोष जी- सुनीता जी जैन (एमपीईबी) व राजेंद्र जी - रविता जी जैन (बीएसएनएल)। अन्य सदस्य थे रमेश- मंजू जैन, ऋषभ - ज्योति जैन,जिनेश - सुनंदा जैन, श्रीमती मीना जी जैन,अंकित - पूजा जैन , धर्मेंद्र - रश्मि जैन। सभी सदस्यों ने इस यात्रा को आत्मिक शांति एवं पुण्य अर्जन का अद्भुत अवसर बताया।

सतीश जैन (इला बैंक) अध्यक्ष, विद्यासागर सोशल ग्रुप, इंदौर

जिसे देखकर ऐसा भाव आए कि इसकी शरण में जाकर सब कुछ समर्पित कर दूं–वहीं तुम्हारा हित है: मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

शांति नाथ मंदिर के जीर्णोद्धार की शिला रखी गई

23 नवंबर को गुरु मुख से मिलेगा 'रक्षा कवच', असीम कालीन विधान का शुभारंभ: विजय धुर्रा

थूवोनजी. शाबाश इंडिया

जिसे देखकर ऐसा भाव उत्पन्न हो कि उसकी शरण में जाकर सब कुछ समर्पित कर दूँ, वहीं तुम्हारा कल्याण है। जब मन में यह भाव आ जाए कि मैं इनकी शरण में चला जाऊँ, जिसे देखकर ऐसा भाव जागे, उसकी ही शरण चले जाना। यह किसका है, किसके लिए है–इन बातों से हटकर अपने आप को समर्पित कर देना।ह्व दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने ये उद्गार व्यक्त किए। इससे पूर्व तीर्थ क्षेत्र समिति के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि 23 नवंबर इस अंचल के भक्तों के लिए विशेष सौगात लेकर आ रहा है। इस दिन परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज असीम कालीन भक्तामर मंडल विधान के रूप में देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को ''रक्षा कवच'' प्रदान करेंगे। प्रातः कालीन वेला में दर्शनोदय के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी के दरबार में रजत मंडन के साथ विधान के कलश स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए श्रद्धालु को एक सौ गहरा श्रीफल की राशि भेंट करनी होगी, जिसके बाद आजीवन विधान का सौभाग्य प्राप्त रहेगा। प्रत्येक वर्ष क्षेत्र समिति की ओर से एक चांदी की मुद्रा और नंद्यावर्त प्रदान किया जाएगा, जो वर्ष भर बड़े बाबा के दरबार में मंत्रित होकर श्रद्धालु को घर ले जाने का सौभाग्य देगा। दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी समिति के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र रोकड़िया, संजीव जैन, महामंत्री मनोज भैसरवास, कोषाध्यक्ष प्रमोद मंगल, दीप मंत्री शैलेन्द्र ददा, राजेंद्र हलवाई, प्रदीप रानी जैन,

अनिल बंसल, डॉ. जितेंद्र जैन, प्रचार मंत्री विजय धुर्रा, मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार, ऑडिटर अक्षय अमरोद, समाज अध्यक्ष राकेश कंसल, महामंत्री राकेश अमरोद सहित अन्य पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं से इस महोत्सव में भाग लेने का आग्रह किया। मुनि श्री ने आगे कहा, जो तुम्हारी दृष्टि में मंगल है, वही तुम्हारे जीवन का मंगल करेगा। अब तक तुम्हारी दृष्टि में कोई वास्तविक मंगल था ही नहीं, पर जैसे ही तुमने अपने कल्याणकर्ता का ध्यान किया, तुम्हें लगा कि इस दुनिया में कोई तो हमारा है। मेरी नकल मत करना, बल्कि मेरी अकल से चलना। जीवन को अच्छा बनाना है तो उसे अपनाओ–सफलता अवश्य मिलेगी। संसार में जो भी तुम्हारी दृष्टि में श्रेष्ठ मंगल है, उसे आगम से तौलकर गुरुजनों से विचार-विमर्श करो। जिसे मैंने उत्तम माना है और जिसे गुरुजनों ने भी श्रेष्ठ कहा है, उसे स्वीकार कर आगे बढ़ो–तुम्हारा जीवन मंगलमय हो जाएगा।

वेद ज्ञान

हम कौन हैं?

हमारे लिए यह जान लेना आवश्यक है कि हम कौन हैं? क्योंकि अभी तक हम अपने को जिस रूप में जानते हैं वह सही नहीं है। सृष्टि की संरचना और इसमें आने वाले जीव के विषय में जो विचार करते हैं, उनका कहना है कि जैसे ही जीव इस धरती पर कदम रखता है, पांच ज्ञानेंद्रियों, पांच कर्मेंद्रियों, एक मन और एक बुद्धि से युक्त इसका शरीर भी इसके साथ-साथ चला आता है। हालांकि यह शरीर इसके साथ तो आता है, किंतु यह इसका अपना इसलिए नहीं होता, क्योंकि यह जीव तो उस परब्रह्म परमात्मा का अंश है, जो जन्म और मरण से मुक्त है और जिसमें सुख-दुख की व्याप्ति नहीं होती। जीव को कब कौन-सा शरीर मिलेगा और कब कौन-सा शरीर उससे छूट जाएगा, इसका न तो इसे पता होता है और न ही अपना शरीर प्राप्त करना तथा छोड़ना इसके वश में होता है, क्योंकि न तो यह अपने शरीर का स्वामी है और न यह शरीर इसका अपना है। इसलिए इसके छूटने का भय निरर्थक है। यही स्थिति सांसारिक संबंधों की भी है। इस जीव ने जिस किसी स्त्री के गर्भ से जन्म लिया वही इसकी माता हो गई। जिस किसी पुरुष ने इसका पालन-पोषण किया उसे पिता कहा जाने लगा। जो इसकी माता के ही गर्भ से जन्मे वे भाई-बहन हो गए। इसी तरह से सांसारिक संबंधों का एक बड़ा जाल बिछ गया, जिसका जुड़ाव समाज और राष्ट्र से हो गया, किंतु यथार्थ फिर वही है कि इनमें से इस जातक का अपना इसलिए कोई नहीं है, क्योंकि जिस मां के गर्भ से इसका जन्म हुआ, जिस पिता ने पालन-पोषण किया और एक ही गर्भ से जन्म लेने के कारण, जो इसके भाई-बहन बने, क्या वे सभी पूर्व जन्म में इसके साथ थे? कब तक साथ रहेंगे और क्या अगले जन्म में भी इसे मिलेंगे? इसका कोई ठिकाना इसीलिए नहीं है, क्योंकि यथार्थ में इसका अपना कोई है ही नहीं। यही स्थिति इसके जीवन में प्राप्त होने वाली भोग-सामग्री की भी है। मकान, दुकान, पद-प्रतिष्ठा, लाभ-हानि के होने न होने का क्या कोई ठिकाना है? सब कुछ अनिश्चय है, क्योंकि इन सबसे भी जीव का कोई सीधा संबंध नहीं है। इसीलिए जब इसका कुछ है ही नहीं, तब फिर कुछ भी छूट जाने का भय निरर्थक है। इनसे इतर किसी भी तरह का भाव या संबंध एक विशेष प्रकार के माया-मोह का इंद्रजाल ही बुनता है।

संपादकीय

नीतीश कुमार : सियासत का ताज फिर सिर पर

बिहार की राजनीति में एक बार फिर वही परिचित दृश्य दोहराया गया, नीतीश कुमार ने राज्य के मुख्यमंत्री पद की दसवीं बार शपथ ली। यह केवल एक औपचारिक कार्रवाई नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति में उनकी स्थायी मौजूदगी और असाधारण राजनीतिक कौशल का प्रतीक माना जा रहा है। 2025 के विधानसभा चुनावों में एनडीए गठबंधन ने 243 में से 202 सीटें जीतकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया, और इस प्रचंड जनादेश का

स्वाभाविक नेतृत्व नीतीश कुमार के हाथों में गया। नीतीश कुमार भारतीय राजनीति की उस शैली के प्रतिनिधि हैं, जिन्होंने अनुभव, रणनीति और सामाजिक समीकरणों के संतुलन से खुद को लगातार प्रासंगिक बनाए रखा है। बिहार के मतदाताओं के बड़े तबके विशेष रूप से बहुत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी), महिला वोटर और ग्रामीण किनारों से जुड़े समूह में उनकी विश्वसनीयता बेहद मजबूत मानी जाती है। 'सुशासन बाबू' की उनकी छवि विकास, कानून-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा के एजेंडे के साथ आज भी प्रभावी दिखती है। हालांकि, यह सफर विवादों और आलोचनाओं से मुक्त नहीं रहा। समय-समय पर उनके गठबंधन बदलने के कारण उन्हें राजनीतिक विरोधियों ने 'पॉलिटिकल एक्रोबेट' कहकर भी निशाना बनाया है। समर्थकों का तर्क है कि यह उनकी व्यवहारिकता और राजनीतिक समझ का प्रमाण है, वहीं आलोचक इसे सिद्धांतों में ढील और सत्ता-केन्द्रित सोच बताते रहे हैं। फिर भी, बार-बार सत्ता में वापसी उनके जन आधार की मजबूती और नेतृत्व पर भरोसे को स्पष्ट करती है। इस बार भी उन्हें जनादेश तो मिला है, लेकिन चुनौतियां उससे कहीं बड़ी हैं। बिहार की वास्तविक समस्याएँ सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिला सुरक्षा और उद्योगों का अभाव आज भी गंभीर रूप से मौजूद हैं। विकास-राजनीति अब केवल नारों या उद्घोषणाओं से आगे बढ़कर जमीन पर ठोस काम की मांग करती है। जनता की निगाहें इस बात पर होंगी कि क्या नीतीश कुमार अपने बहुचर्चित 'सुशासन' मॉडल को फिर जीवंत कर पाते हैं या नहीं। गठबंधन राजनीति भी उनके लिए कम महत्वपूर्ण नहीं। एनडीए में भाजपा का बढ़ता प्रभाव और उसकी संगठनात्मक ताकत भविष्य में सत्ता-संतुलन को प्रभावित कर सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि नीतीश को एक ओर विकास की प्राथमिकताओं पर तेज काम करना होगा, वहीं दूसरी ओर यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जनता दल (यू) की भूमिका गठबंधन में केवल औपचारिक न रह जाए। यदि पार्टी की राजनीतिक स्वायत्तता और पहचान कमजोर होती है, तो आगे नेतृत्व के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। भ्रष्टाचार, स्थानीय राजनीतिक दबाव, नौकरशाही की सुस्ती और आंतरिक शक्ति संघर्ष जैसी चुनौतियां भी सामने हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राज्य में अपराध नियंत्रण और प्रशासनिक सुधारों को पुनः गति देने की जिम्मेदारी खुद नीतीश के कंधों पर है। अंततः, यह वापसी केवल एक व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार की 'दीर्घकालिक विकल्प' वाली छवि की पुनः पुष्टि है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

दूरदर्शन से स्मार्ट-टेलीविजन तक

दिलीप कुमार पाठक

आज दुनिया स्मार्टफोन और 5जी के दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां इंटरनेट की तीव्र गति ने संचार और मनोरंजन को अभूतपूर्व ढंग से बदल दिया है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर हाथ में इंटरनेट की पहुंच ने सूचना और मनोरंजन को सरल, त्वरित और लगभग बिना बाधा उपलब्ध करा दिया है। बावजूद इसके, विश्व टेलीविजन दिवस हमें याद दिलाता है कि तकनीकी क्रांति की इस लंबी यात्रा में टेलीविजन की भूमिका आज भी अद्वितीय है। आज हम टेलीविजन के महत्व, इतिहास तथा उसके समाज पर पड़े प्रभाव का पुनः अवलोकन करते हैं। टेलीविजन शब्द ग्रीक के टेली (दूरी) और लैटिन के विजन (देखना) से मिलकर बना है अर्थात दूर की घटनाओं को देखने का माध्यम। वास्तव में, दुनिया के किसी भी कोने में घट रही घटना को घर बैठकर प्रत्यक्ष देखने की क्षमता टेलीविजन जैसे आविष्कार के बिना संभव नहीं थी। टेलीविजन का आविष्कार स्कॉटलैंड में जन्मे जॉन लोगी बेयर्ड ने 1925 में लंदन में किया। 13 अगस्त 1888 को जन्मे बेयर्ड बचपन में कमजोर स्वास्थ्य के कारण स्कूल कम जा सके, लेकिन तकनीक के प्रति उनकी जिज्ञासा असाधारण थी। मात्र 12 वर्ष की उम्र में उन्होंने अपना टेलीफोन बना लिया था। वे यह कल्पना करते थे कि एक दिन तस्वीरें भी हवा के माध्यम से भेजी जा सकेंगी। इसी सोच ने उन्हें 1924 में एक बक्से, टिन, पंखे की मोटर, कार्ड और सुई जैसे साधारण उपकरणों से पहला टेलीविजन मॉडल बनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद 1927 में फिलो फार्न्सवर्थ ने आधुनिक और अधिक सक्षम टेलीविजन का निर्माण किया, जिसे 1928 में पहली बार सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया गया। बेयर्ड ने 1928 में ही रंगीन टेलीविजन का भी आविष्कार किया। टेलीविजन शब्द का सबसे पहले उपयोग रूसी वैज्ञानिक कांस्टेंटिन परस्कायल ने किया था। विश्व पर टेलीविजन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 17 दिसंबर 1996 को 21 नवंबर को विश्व टेलीविजन दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। अमेरिका में 1941 से ब्लैक-एंड-व्हाइट टेलीविजन का प्रसारण शुरू हो गया था, और 1953 में वहीं पहला रंगीन टेलीविजन प्रस्तुत हुआ। 1955 में यूजीन पोली ने रिमोट कंट्रोल फ्लैश मैटिक का आविष्कार कर इस अनुभव को और सुविधाजनक बनाया। भारत में टेलीविजन की शुरूआत 15 सितंबर 1959 को हुई। शिक्षा और ग्रामीण विकास के उद्देश्य से शुरू की गई इस सेवा का नाम प्रारंभ में टेलीविजन इंडिया था, जिसे 1975 में बदलकर दूरदर्शन कर दिया गया—एक ऐसा नाम जो आगे चलकर भारतीय टेलीविजन का ही पर्याय बन गया। 1962 में उपग्रह प्रसारण आरंभ हुआ और देशों के बीच लाइव टीवी कार्यक्रमों का आदान-प्रदान संभव हुआ। 15 अगस्त 1965 को दूरदर्शन पर पहली समाचार बुलेटिन का प्रसारण हुआ। 1982 में एशियाई खेलों के दौरान प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भारत में रंगीन टेलीविजन की औपचारिक शुरूआत की। ब्लैक-एंड-व्हाइट से रंगीन टीवी, फिर केबल से सैटेलाइट प्रसारण तक भारतीय टेलीविजन की यात्रा निरंतर विकास की कहानी है। धारावाहिकों, फिल्मों और मनोरंजन कार्यक्रमों की लोकप्रियता ने टीवी को घर-घर तक पहुँचा दिया। वहीं तकनीकी प्रगति ने भारी-भरकम टीवी को पतली, बड़ी स्क्रीन वाली एलईडी और प्लाज्मा स्क्रीन में बदल दिया। आज स्मार्ट टीवी इंटरनेट से जुड़कर मनोरंजन और सूचना का बहुआयामी मंच बन चुके हैं।

क्रिकेट महाकुंभ का फाईनल मुकाबला भुर्टवाला की टीम ने जीता

कुमथला की टीम उपविजेता बनी

ऐलनाबाद. रमेश भार्गव। सर छोटू राम जाट ग्रुप की युनिट द स्काई लैण्ड क्रिकेट एकेडमी में क्रिकेट टूर्नामेंट का फाईनल मुकाबला रोमांच से भरपूर रहा। इस प्रतियोगिता में राजस्थान, पंजाब व हरियाणा से कुल 48 टीमों ने भाग लिया। आज फाईनल मुकाबला भुर्टवाला व कुमथला की टीमों के बीच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में भुर्टवाला की टीम ने कुमथला को 10 विकेट से हराकर जीत दर्ज की। मुख्यतिथि के रुप में पंहुचे रानियां के विधायक अर्जुन चौटाला ने विजेता टीम को एक लाख व उपविजेता टीम को 51000/- रुपये देकर सम्मानित किया। वहीं तीसरे और चौथे नम्बर पर रही टीम मौजूखेड़ा व बींझबायला को 11000-11000 रुपये देकर सम्मानित किया गया। टुनामैंन्ट के मैन ऑफ दी सीरीज वार्नर उचाना व साहिल को 31000-31000 रुपये देकर सम्मानित किया गया और बैस्ट बैटसमैन सुखी धौला व बैस्ट बॉलर विराट भूर्टवाला को एलइडी देकर सम्मानित किया गया। मुख्यतिथि अर्जुन चैटाला ने कहा कि ऐलनाबाद में जो काम सरकार नहीं कर सकी वह सर छोटू राम जाट ग्रुप के चैयरमेन चौ. रणजीत सिंह थेंच ने स्टेडियम बनाकर कर दिखाया है उन्होने द स्काई लैण्ड क्रिकेट एकेडमी की टीम जे पी मील, सुनील थेंच, सं. लवप्रीत, सुदेष मील, बन्टी शर्मा, रवि गोड़, राजू गुजर, कृष्ण स्वामी, मांगी स्वामी, ओम गोदारा, जगत जाखड़, अनिल थेंच, विरेन्द्र सोखल सहित सभी का आभार व्यक्त किया और उनकी मेहनत की प्रशंसा की। मैच के दौरान विषिष्ट अतिथि के रुप में चौ. विजय सिंह खोड़, चौ. अभय सिंह खोड़, मोहन लाल झोरड़, गुलाब सिंवर, राज सिंह धालीवाल, राजेन्द्र सिंह सिधू, जय सिंह गोरा, डॉ. वरुण गोदारा, सुलतान हरडू, कृष्ण खिचड़, रणजीत सिंह सिद्धू, परमिंद्र सिद्धू, राजेन्द्र गोदारा, कोच सुनील भाम्भू सहित काफी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

फोटो कैप्शन : विजेता टीम को सम्मानित करते हुए अर्जुन चौटाला व अन्य।

धर्म जागृति संस्थान की महिला शाखा ने गौशाला में की सेवा, विकलांग गौवंश को गुड़-केले खिलाए

अंबाह. अजय जैन

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान, शाखा अंबाह की महिला इकाई की सदस्यों ने बुधवार को परेड चौराहा स्थित विकलांग गौशाला में पहुंचकर गौसेवा का पुण्य कार्य किया। इस सेवा कार्यक्रम में श्रीमती पूनम जैन, रजनी जैन, रेनू जैन, बबीता जैन, रश्मि जैन, रेखा जैन, दीपा जैन, प्रीति जैन, नीलम जैन, वर्षा जैन और इंदिरा जैन ने सहभागिता निभाई। समूह की महिलाओं ने गौशाला में मौजूद विकलांग एवं निर्बल गायों को स्नेहपूर्वक गुड़ और केले खिलाकर सेवा-भाव प्रकट किया। गौशाला परिसर में प्रवेश करते ही महिलाओं ने श्रद्धा के साथ गौमाता को नमन किया और एक-एक गोवंश को स्नेह से पुचकारते हुए आहार अर्पित किया। इस दौरान सेवा, करुणा और संवेदना का वातावरण पूरे परिसर में महसूस किया गया। श्रीमती रजनी जैन ने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है और यह कर्म मानवता के सर्वोच्च मूल्यों को पुष्ट करता है। उनके अनुसार गौवंश के प्रति करुणा न केवल धार्मिक आस्था का विषय है, बल्कि सामाजिक चेतना का भी प्रतीक है। इसी भावना को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से समूह समय-समय पर गौसेवा के कार्यक्रम आयोजित करता है। सेवा के इस अवसर पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से यह संकल्प भी दोहराया कि वे समाज में जीवदया और सहृदयता की भावना को और अधिक मजबूती से स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास करती रहेंगी। उनके अनुसार किसी भी जीव के प्रति करुणा ही सच्चे धर्म का मार्ग है, और जब सेवा श्रद्धा से की जाए तो वह उपासना का स्वरूप ले लेती है। गौशाला में उपस्थित गायों को महिलाओं ने आत्मीयता से फलाहार कराते हुए भारत की उन शाश्वत परंपराओं का स्मरण किया, जिनमें गौमाता को परिवार का सदस्य और समृद्धि का आधार माना जाता है। गुड़ और केले के सेवन के दौरान गायों का शांत व्यवहार और स्नेहपूर्ण प्रतिक्रिया महिलाओं को भीतर तक संतुष्टि प्रदान कर रही थी। सेवा के पश्चात महिलाओं ने गौमाता के चरणों में प्रणाम कर कल्याण की कामना भी की। कार्यक्रम के अंत में महिला समूह ने एक स्वर में कहा कि गौसेवा केवल आयोजन नहीं, बल्कि जीवन की नियमित साधना है, जिसे समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनाना चाहिए। सेवा के उसी संकल्प के साथ यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

जब सत्य थकने लगता है, तब एक नया ग्रंथ जन्म लेता है

जब सत्य थकने लगता है, जब समाज सोने लगता है, जब कलम काँपने लगती है और जब जनता मौन खरीद लेती है—तब ब्रह्मांड एक नया ग्रंथ लिखवाता है। यही वह क्षण होता है जब किसी एक इंसान के भीतर आग जलती है, जब वह समझ जाता है कि अब चुप रहने का समय बीत चुका है। सच को दबाकर रखने से न तो समाज बचता है, न ही इंसान की आत्मा। जब लोग खामोशी को सुरक्षा समझ लेते हैं और अन्याय को अपनी आदत बना लेते हैं, तब ब्रह्मांड किसी एक को खड़ा करता है ताकि वह टूटे हुए विश्वासों और बिखरी हुई उम्मीदों को फिर से जोड़ सके। सच हमेशा गरज कर नहीं आता, कभी-कभी वह थककर भी रास्ता खोज लेता है और किसी साधारण इंसान की आवाज़ बन जाता है। समाज चाहे जितना भी सो जाए, इतिहास कभी नहीं सोता। इसलिए हर उस क्षण में जब अंधेरा गहराता है, सच अपने लिए एक नया वाहक चुनता है। वही वाहक कलम को दोबारा मजबूती देता है, वही समाज को आईना दिखाता है और वही मौन खरीदने वालों के सामने आवाज़ बनकर खड़ा होता है। और शायद यही कारण है कि हर युग में एक नया ग्रंथ जन्म लेता है—जिसे लिखने के लिए न किसी उपाधि की जरूरत होती है, न किसी पद की। केवल एक जागी हुई आत्मा काफी होती है, जो यह तय कर ले कि सच को अब थकने नहीं देना।— नितिन जैन, संयोजक — जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा), जिलाध्यक्ष — अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल, मोबाइलः 9215635871

गुरु तेग बहादुर जी के 350 वें बलिदान दिवस पर मृत्यु का वीरता से वर्णन करने वाले महान संत

इंजी. अरुण कुमार जैन

जब भी भारत में शौर्य, वीरता जन सेवा,करुणा व जीवंतता की चर्चा होती है, सिख धर्म के महान गुरु व मनीषी सहज ही याद आ जाते हैं. सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी की श्रृंखला में गुरु तेग बहादुर जी ऐसे ही वीर पुरुष थे,जिन्होंने देश के हिंदुओं की रक्षार्थ, धर्म की रक्षार्थ, मात्र 54 वर्ष की उम्र में अपने प्राणों का बलिदान हंसते-हंसते कर दिया. व क्रूर मुगल शासक औरंगजेब की क्रूरता, अत्याचार व बर्बरता को बौना साबित कर दिया। 21 अप्रैल 1621 को अमृतसर में उनका जन्म हुआ था, उन दिनों अमृतसर लाहौर प्रांत का एक नगर था. उनके पिता सिखों के छठवें गुरु श्री हरगोविंद जी थे, माता का नाम माता ननकी जी था. माता-पिता ने अपने पुत्र का नाम त्यागमल रखा शायद उन्हें पूर्वाभाष हो गया था कि उनका यह पुत्र त्याग के श्रेष्ठतम कीर्तिमान स्थापित कर अपने प्राणों का भी बलिदान धर्म के लिए कर देगा। माता-पिता के पांच पुत्रों में ये सबसे छोटे पुत्र थे. सिख गुरु परिवार में जन्म लेने के कारण उन्हें बचपन से ही वीरता, शौर्य घुड़सवारी, तलवारबाजी, तीरंदाजी की शिक्षा दी गई.समय के साथ-साथ बड़े होने पर माता गुजरी के साथ उनका विवाह हुआ व 1666 में उनके परिवार में एक यशस्वी पुत्र का जन्म पटना में हुआ, जो आगे चलकर सिख धर्म के दसवें गुरु गोविंद सिंह जी कहलाए। 20 मार्च 20 मार्च 1664 को उनको नवें गुरु के रूप में मनोनीत किया गया,उनके पूर्व गुरु हरि कृष्ण जी आठवे गुरु थे. 1665 में उन्होंने आनंदपुर साहिब नगर की स्थापना की. उन्होंने देश का भ्रमण किया जिसमें किरतपुर, आनंदपुर साहिब, रोपड़,सैफाबाद, कुरुक्षेत्र, प्रयाग बनारस,

पटना, आसाम आदि स्थान प्रमुख है। इन स्थानों पर जाकर उन्होंने जन-जन के मन में गरीबों की सहायता, मन में धैर्य और वीरता का समावेश करना व शौर्य के गुण को धारण करना, जन सेवा के करने के भाव जगाए. जनसेवा के बहुत से कार्य उनके द्वारा किए गए जिनमें पीने के पानी के लिए कुओं खुदवाना, उनके आवास की व्यवस्था करना, लोंगो को संस्कार देना और उनको रोजगार देना है। वे चाहते थे कि हर मानव एक दूसरे की सहायता करके आगे बढ़े। उन्हीं दिनों क्रूर मुगल शासक औरंगजेब के अत्याचारों से देश दहल रहा था, उसने फरमान जारी किया कि हिंदुओं को जबरदस्ती इस्लाम कबूल कराया जाए। हिन्दुओं ने गुरु तेग बहादुर जी से प्रार्थना की कि उनकी रक्षा करें गुरु तेग बहादुर बचपन से ही निडर थे, धर्म और सेवा के संस्कार उनके रोम रोम में समाहित थे, औरंगजेब का फरमान उन तक भी पहुंचा, उन्होंने बड़े ही सहजता से कहा शीश कटा सकते हैं केश नहीं. यानि कि प्राणों का बलिदान देना पड़े तो दे सकते हैं, अपने धर्म का परिवर्तन नहीं करेंगे. यह वर्ष 1675 था. उनकी है दृढ़ता औरंगजेब को नागबर गुजरी वह उसने उनको बंदी बनाकर उनकी हत्या का फरमान जारी कर दिया दिल्ली चांदनी चौक में उनका बंदी बनाकर लाया गया कई ने फतवा पढ़ा वह जल्लाद जलाल जलालुद्दीन ने अपनी निर्मल तलवार से उनका सिर दर्द से अलग कर दिया यह दिन था 24 नवंबर 1675 जो इतिहास में कल पृष्ठ के रूप में अंकित हो गया निर्भय आचरण धार्मिक कठिनता शौर्य वीरता के साथ उन्होंने राष्ट्रवाद धर्म प्रेम की नई भारत लिखी. दिल्ली, चाँदनी चौक में जहां आज शीशगंज गुरुद्वारा है, उसी जगह पर उन्होंने बलिदान दिया था। उनके एक शिष्य ने उनकी मृत देह को मुगलों के चंगुल से ले जाकर रकाबगंज साहिब में उनका अंतिम संस्कार किया. इस तरह एक बहादुर संत जो धर्म व राष्ट्र के प्रति समर्पित थे ने अपना बलिदान कर दिया. उनके निधन के पश्चात उनके ही पुत्र श्री गुरु गोविंद सिंह जी को मात्र 9वर्ष की उम्र में सिख धर्म के 10 में गुरु का दायित्व सोपा गया। गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान हिंदुस्तान के लिए था हिंदुओं के लिए था इसलिए उनको' हिंद की चादर, के नाम से भी सुशोभित किया गया। चांदनी चौक में उनके बलिदान की स्मृति में 1783 में उनके ही अनुयाई बघेल सिंह ने एक गुरुद्वारा बनाया. मात्र 8माह की अवधि में इसका निर्माण किया गया.1857 में इसका पुनः विस्तार हुआ और 1930 में इसे वर्तमान स्वरूप मिला। भारतीय सेना की सिख रेजीमेंट राष्ट्रपति को सलामी देने के बाद शीशगंज गुरुद्वारे में सलामी देकर गुरु तेग बहादुर जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन कर, उनके महान

बलिदान को नमन करती है। गुरु तेग बहादुर जी एक वीर होने के साथ-साथ आध्यात्मिक मनीषी भी थे.गुरु ग्रंथ साहिब में उनके 115 भजनों का संकलन किया गया है। उनका 400 वां प्रकाश वर्ष 2022 में मनाया गया. जिसमें देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने श्रद्धा से भाग लिया. उनकी स्मृति में चाँदी का एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी कर एक महान योद्धा को, एक महान गुरु को नमन किया। 24 नवंबर 2025 को उनका 350 वां बलिदान दिवस सारा विश्व बना रहा है. भारत मां के इस महान सपूत को कृतज्ञ राष्ट्र के कोटिशा नमन। इसी भावना के साथ कि हम सब नैतिक मूल्यों को अपना करके शौर्य,वीरता के साथ-साथ देश, धर्म, मानव व मानव मूल्यों की प्रगति हेतु एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे।

संपर्क //अमृता हॉस्पिटल, सेक्टर 88,फरीदाबाद, हरियाणा, मो. 7999469175

सूर्य नगर में ब्रह्मचारिणी सुनीता दीदी की गोद भराई

21 नवम्बर को दुर्गापुरा जैन मंदिर में होगी जिनेश्वरी दीक्षा

जयपुर. शाबाश इंडिया

गणिनी आर्यिका 105 श्री सरस्वती माताजी ससंघ के सानिध्य में दुर्गापुरा के श्री दिगंबर जैन मंदिर,चन्द्रप्रभ जी में शुक्रवार 21 नवंबर को ब्रह्मचारिणी सुनीता दीदी की दीक्षा होने जा रही है। इससे पूर्व तारों की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में समाज बन्धुओं द्वारा ब्रह्मचारिणी सुनीता दीदी की जयकारों के बीच गोद भराई की गई। इस मौके पर पुरुष वर्ग, महिला मंडल व महिला

महासमिति परिवार की सदस्याऐं बडी संख्या में शामिल हुई। समाज के विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः भगवान शांतिनाथ एवं मुनि पावन सागर मुनिराज ससंघ के दर्शन उपरांत ब्रह्मचारिणी सुनीता दीदी ने मुनि संघ से आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात गोद भराई कार्यक्रम शुरू हुआ जिसमें महासमिति सूर्य नगर सम्भाग की अध्यक्ष पुष्पा जैन पाटोदी ने तिलक लगाया। महिला प्रकोष्ठ मंत्री दीपिका जैन कोटखावदा,कोषाध्यक्ष अंजू पापड़ीवाल,इंदू टोंग्या ने माल्यार्पण किया। उपाध्यक्ष अलका लोंग्या व प्रचार-प्रसार मंत्री अनिता लुहाड़िया ने मुकुट पहनाकर सम्मानित किया। मंत्री सुधा जैन मालपुरा, मनोनीत सदस्या रेणु गोधा एवं मैना जैन, सुशीला जैन, निर्मला काला,शशि जैन,रेखा गोधा, मिथिलेश सोगानी, नीरू छाबड़ा, आरती पाटनी, कान्ता खटवाड़ा वाले, मनोरमा ठोलिया, कमलेश जैन, अनिता जैन, रमा जैन, निर्मला अग्रवाल,रूपा रारा, चंदा सेठी,सोनिया काला व कुसुम अजमेरा इत्यादि ने सूखे मेवे से गोद भराई की। इस दौरान मंदिर परिसर भगवान शांतिनाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। अंत में सभी महिलाओं ने जैन भजनों की प्रस्तुति के साथ नाचते गाते सुनीता दीदी को दुर्गापुरा जैन मंदिर के लिए विदा किया।

-विनोद जैन कोटखावदा

रिलायंस ज्वेल्स ने 'विवाहम' कलेक्शन के साथ वेडिंग सीजन का किया आगाज

विशेष ऑफर के साथ हर दुल्हन की स्टाइल के लिए बेहतरीन सोने और हीरे के डिजाइन, 100% पुराने सोने के एक्सचेंज की सुविधा

मुंबई. शाबाश इंडिया। भारत के सबसे भरोसेमंद ज्वेलरी ब्रांडों में से एक, रिलायंस ज्वेल्स, ने अपने बहुप्रतीक्षित 'विवाहम' कलेक्शन की वापसी के साथ वेडिंग सीजन की शुरूआत की है। यह कलेक्शन भारत की सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक आकर्षण के साथ जोड़ते हुए हर दुल्हन की शैली को निखारता है। इस कलेक्शन में दिल्ली, पंजाब की भव्यता, महाराष्ट्र और गुजरात के आकर्षण, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, बंगाल और असम की कलाकृतियों से प्रेरित सोने और हीरे के डिजाइन शामिल हैं। कलेक्शन में चोकर, लंबे हार, कमरबंद, मांग टीका और चूड़ियाँ जैसे आभूषण शामिल है। रिलायंस ज्वेल्स सोने के मेकिंग चार्ज पर 50% तक की छूट और हीरे के मूल्य और मेकिंग चार्ज पर 30% तक की छूट दे रहा है। साथ ही, ग्राहक अपने पुराने गहनों को 100% मूल्य आश्वासन के साथ नए 'विवाहम' कलेक्शन से बदल सकते हैं। रिलायंस ज्वेल्स के प्रवक्ता ने कहा, शादियाँ भावना, संस्कृति और व्यक्तिगत शैली को दर्शाती हैं। 'विवाहम' के साथ, हम हर भारतीय दुल्हन की विशिष्टता का जश्न मनाते हैं। ग्राहक इस कलेक्शन को देश भर में 145 से अधिक रिलायंस ज्वेल्स शोरूम में देख सकते हैं।

21 नवम्बर को दोपहर एक बजे होगा आचार्य सुंदर सागर महाराज का चित्रकूट कालोनी सांगानेर से मंगल विहार

भव्य जुलूस के साथ समाज देगा विदाई, एस एफ एस जैन मंदिर में होगा मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। चातुर्मास समापन पश्चात भगवती जिन दीक्षा महोत्सव के विशाल आयोजन के बाद दिगम्बर जैन आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ का सांगानेर थाना सर्किल पर स्थित चित्रकूट कॉलोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर से शुक्रवार, 21 नवम्बर को मंगल विहार होगा। इस मौके पर बडी संख्या में समाज बंधु विहार जुलूस में शामिल होंगे। मंदिर समिति के अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा एवं महामंत्री मूल चन्द पाटनी के मुताबिक आचार्य श्री ससंघ का शुक्रवार को दोपहर 1.00 बजे चित्रकूट कालोनी जैन मंदिर से विशाल जुलूस के रुप में एस एफ एस स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के लिए मंगल विहार होगा। विहार जुलूस में चित्रकूट कालोनी सहित आसपास की कालोनियों के सैकड़ों श्रावक - श्राविकाऐ शामिल होकर आचार्य संघ के साथ एस एफ एस के दिगम्बर जैन मंदिर तक जाएंगे। इस दौरान मार्ग में जगह जगह श्रद्धालुओं द्वारा आचार्य संघ के पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की जाएगी। एस एफ एस मंदिर के बाहर महिला मण्डल की सदस्याओं द्वारा सिर पर मंगल कलश लेकर अगवानी की जाएगी। वही मंदिर समिति के अध्यक्ष कमलेश चन्द जैन एवं महामंत्री सोभाग मल जैन के नेतृत्व में आचार्य संघ के पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की जाएगी। मंदिर दर्शन के बाद धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा जिसमें आचार्य सुन्दर सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक एस एफ एस दिगम्बर जैन मंदिर में सायंकाल 6.00 बजे आगम युक्त श्रुत शंका समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। -**विनोद जैन कोटखावदा**

2nd Jaipur Chess Club Rapid Chess Tournament 2025 का पोस्टर विमोचन सम्पन्न

जयपुर। आगामी 2nd Jaipur Chess Club Rapid Chess Tournament 2025 का पोस्टर का भव्य समारोह में विधिवत विमोचन अरुण चतुर्वेदी, अध्यक्ष – वित्त आयोग, राजस्थान के कर-कमलों से हुआ । जिनेश कुमार जैन टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर ने बताया कि यह टूर्नामेंट 23 नवंबर 2025 (रविवार), नव भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, स्वेज फ्रॉम, जयपुर में आयोजित होगी । प्रतियोगिता का आयोजन जयपुर चेस क्लब द्वारा किया जा रहा है, जोJDCA के तत्वावधान में तथा जयपुर चेस अकादमी के सहयोग से सम्पन्न होगी।इस प्रतिष्ठित रैपिड चेस टूर्नामेंट में कुल ₹25,000 के नकद पुरस्कार, 31 ट्रॉफियाँ व मेडल, तथा विभिन्न आयु वर्गों के लिए आकर्षक कैटेगरी प्राइज भी निर्धारित किए गए हैं।विक्रम सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयपुर जिला चेस एसोसिएशन ने बताया कि इस टूर्नामेंट में सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पंजीकरण शुल्क पर 50% की विशेष छूट दी जाएगी। यह कदम आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।इस अवसर पर भाजपा मानसरोवर मंडल मंत्री सुनील जैन गंगवाल एवं लोकेश सोगानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के अंत में जिनेश कुमार जैन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता जयपुर के उभरते शतरंज खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

बाबूलाल जैन रानोली वाले अतिशय क्षेत्र निमोला के अध्यक्ष चुने गए

शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र निमोला में गुरुवार को आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से निर्विरोध बाबूलाल जैन रानोली वालों को अतिशय क्षेत्र निमोला मंदिर समिति का अध्यक्ष चुना गया। संरक्षक प्रकाश पटवारी ने बताया कि मंदिर में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें आगामी वार्षिक मेला-उत्सव के संबंध में चर्चा की गई। समिति के सदस्यों की मौजूदगी में अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया हुई, जिसमें सर्वसम्मति से बाबूलाल जैन रानोली वालों का चयन किया गया। बैठक में हुकुमचंद जैन, महावीर जैन पराणा, प्रकाशचंद पटवारी, महावीर जैन उम, भागचंद जैन धूआँ, संजय जैन लाम्बा, कपूरचंद पटौदी, छान महावीर जैन निमोला, दीपक जैन, ज्ञानचंद निमोला, शिखरचंद धूआँ, श्यामलाल जैन, सीए राजकुमार जैन अरनिया और बाबूलाल जैन धोली वाले उपस्थित थे। सभा अध्यक्ष कपूरचंद पटौदी ने बाबूलाल जैन को माला पहनाकर शपथ ग्रहण कराई। बाबूलाल जैन ने कहा कि कार्यकारिणी का विस्तार बाद में किया जाएगा। अशोक जैन ने बताया कि आगामी 14 एवं 15 दिसंबर को भगवान पार्श्वनाथ के जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर वार्षिक मेले का आयोजन अतिशय क्षेत्र निमोला में होगा। 14 दिसंबर को प्रातः अभिषेक, शांतिधारा और दोपहर में शांति मंडल विधान की पूजा होगी। विधान के पुण्यार्जक कनक श्री महिला मंडल, पुरानी टोंक होंगे। शाम को भगवान पार्श्वनाथ की महाआरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भक्तामर पाठ का आयोजन होगा। इसी दिन पाँच मंदिर, पुरानी टोंक से विशाल पदयात्रा निमोला के लिए रवाना होगी, जो सोनवा, अरनिया माल होते हुए सांयकाल निमोला पहुँचेगी। 15 दिसंबर को प्रातः भगवान का अभिषेक और शांतिधारा के बाद नित्य नियम पूजा होगी। दोपहर में संपूर्ण निमोला ग्राम में विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके पश्चात श्रीजी का वार्षिक कलशाभिषेक होगा। दोनों दिन समाज के सामूहिक भोज का आयोजन किया जाएगा। वार्षिक उत्सव में विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पधारेंगे।

गुना जैन समाज रचेगा नया इतिहास

राजेश जैन दद्दू, शाबाश इंडिया

गुना। इस वर्ष के चातुर्मास में जैन समाज द्वारा लिए गए समाज के लिए प्रेरणास्पद एवं समाज हित में लिए गए निर्णय पर बनने बाले विद्यालय की रखी जायेगी आधारशिला। श्रमण संस्कृति के महामहिम समाधीष्ट आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज, वर्तमान संघ नायक नवाचार्य आचार्यश्री समय सागर जी महाराज के मंगलमय आशीर्वाद से, गुना नगर में चातुर्मास रत विराजमान ज्येष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमण मुनिश्री योगसागर जी महाराज संसघ की मंगल प्रेरणा से 21 नवम्बर शुक्रवार को प्रातःकालीन बेला में, गुना नगर में बनने बाले जैन विद्यालय के भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं आधार शिला रखी जाएगी। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि। समाधीष्ट श्रमण संस्कृति के महामहिम आचार्य श्री विद्यासागर जी के सपने को गुना नगर की जैन समाज करेंगी आचार्य श्री के सपने पूरे। देश भर की समाज एवं युवाओं की बढ़ती मांग हो रही है कि मन्दिर निर्माण तो हो पर शिक्षा-चिकित्सा के क्षेत्र में भी समाज को कुछ खास करने की जरूरत है। इसी के मद्दे नजर गुना में यह विद्यालय एवम पूर्णायु चिकित्सालय की शाखा की स्थापना की जा रही है। इसके लिए नगर सीमा में ही समाज सहयोग से बहुत बड़ी भूमि क्रय की गई है जिसमे जैन समाज द्वारा जनहित एवं समाज हित में कई प्रोजेक्ट शुरू हो सकेंगे। नगर में इसे लेकर बड़ा भारी उत्साह है।दद्दू ने कहा कि गुना जैन समाज की इस शानदार जानदार पहल का भारत वर्षीय जैन समाज स्वागत अभिनंदन करती है और भारत वर्षीय जैन समाज को प्रेरित कर इस तरह के प्रकल्पों पर समाज जन को कार्य करने का साहस प्रदान करतीं हैं।